No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-3

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

13305

जून, 2017

एम.एच.डी.-3 : उपन्यास एवं कहानी

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. 'गोदान' में अभिव्यक्त किसान जीवन का विवेचन कीजिए । 20

अथवा

'धरती धन न अपना' में चित्रित सामाजिक यथार्थ का मूल्यांकन कीजिए ।

2. 'सूखा बरगद' के कथ्य पर विचार कीजिए । 20

अथवा

'मैला आँचल' की आँचलिकता पर प्रकाश डालिए ।

3. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की शिल्पगत विशेषताएँ बताइए । 20

अथवा

'ठाकुर का कुआँ' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

4. 'पिता' कहानी में बदलते हुए पारिवारिक संबंधों के स्वरूप पर विचार कीजिए । 20

अथवा

कहानी कला की दृष्टि से 'चीफ़ की दावत' कहानी की समीक्षा कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×10=20*

(क) 'सूखा बरगद' की भाषा

(ख) 'मैला आँचल' में लछमी का चरित्र

(ग) 'कुत्ते की पूँछ' में बाल शोषण का चित्रण

(घ) मन्नू भंडारी की स्त्री दृष्टि